

नितिन गडकरी

ग्रामीण विकास, पंचायती राज
और पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय
भारत सरकार

सितम्बर, 2014

अ.शा.डायरी संख्या.68/2014/एमआरडी

विषय: दिनांक 25.9.2014 से 23.10.2014 तक "राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान" की शुरुआत।

प्रिय ममता जी

जैसा कि आप जानती हैं भारत सरकार दिनांक 2 अक्टूबर, 2014 तक जब महात्मा गांधी की 150वीं जयंती होगी, तक स्वच्छ भारत की स्थिति को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देश में स्वच्छता की विकट स्थिति को बदलने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है लोगों की मानसिकता को बदलना अर्थात् स्वच्छता के प्रति सामान्य उदासीनता को बदलना। यह तभी संभव है यदि "स्वच्छता के मिशन" को जन आंदोलन का रूप दिया जाए।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए "स्वच्छ भारत मिशन" की शुरुआत करने का निर्णय लिया गया है ताकि स्वच्छ भारत की प्राप्ति में गतिशीलता आए और "एक सार्वजनिक स्वच्छता आंदोलन" की शुरुआत हो। इसी संबंध में भारत सरकार का प्रस्ताव है कि दिनांक 25 सितंबर, 2014 को "राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान" की शुरुआत की जाए और जो 23 अक्टूबर, 2014 तक चलाया जाए।

अभियान का फोकस निम्नलिखित पर होगा:-

- i. राहों की सफाई करके और ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन द्वारा गांवों को स्वच्छ रखने हेतु जागरूकता फैलाना।
- ii. सुरक्षित स्वच्छता और शौचालय के निर्माण और उसके उपयोग पर जागरूकता फैलाना।
- iii. साबुन से हाथ धोने की महत्ता।
- iv. बच्चों के मल का सुरक्षित निपटान।

v. पेयजल को सुरक्षित रूप से उपयोग और भंडारण।

- उपर्युक्त मुद्दों का संदेश बांटने हेतु विभिन्न आईईसी/आईपीसी गतिविधियाँ चलाई जाएँ (प्रत्येक ग्रामीण घरों का दौरा सहित)। संप्रेषण के दौरान इस बात पर बल देना आवश्यक है कि स्वच्छता लोगों के जीवन को बीमारियों की घटनाओं को कम करके प्रभावित करेगा और महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा और सम्मान का बढ़ाएगी। इससे अर्थव्यवस्था और जीडीपी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- प्रत्येक ग्रामीण घर में स्वच्छता के संदेश को पहुँचाने के लिए छात्रों को "स्वच्छता दूत" के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- यह आवश्यक है कि सरकार के सभी विभागों के लिए यह एक अभियान हो क्योंकि राज्य से पंचायत स्तर तक के सभी सरकारी कार्मिक को इस अभियान से जोड़ना आवश्यक है। एनसीसी, एनएसएस, बालकों का स्काउट, बालिकाओं का स्काउट, एनवाईके स्वयंसेवी आदि संगठनों के साथ स्वच्छता के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए पंचायत स्तर/ग्राम स्तर, सरपंचों, पंचायत सदस्यों, ब्लॉक समन्वयकों, आशा कार्यकर्ताओं, स्वच्छता दूतों, शिक्षकों, राजस्व कार्यकर्ताओं और विभिन्न विभागों के सभी विभागीय कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाएगा।

राज्य, जिला तथा ग्राम पंचायत स्तरों पर मध्यवर्तन के अतिरिक्त स्वच्छता अभियान का लक्ष्य प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाना होगा। घरेलू स्तर पर गहन गतिविधियाँ चलाई जानी चाहिए। प्रत्येक पंचायत में कवरेज सुनिश्चित करने और प्रत्येक परिवार को शौचालय बनाने और उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित करने पर सबसे अधिक बल दिया जाना चाहिए।

अतः जन संचार (रेडियो, टीवी, समाचार पत्रों), डिजिटल संचार (श्रण्य संदेश), डायरेक्ट मीडिया (होर्डिंग, पोस्टर, दीवार पर चित्रकारी, बस पैनल) और प्रोत्साहनात्मक मीडिया (नुक्कड नाटक, डॉक्यूमेंटरी फिल्म) का उपयोग करके प्रभावशाली योजना तैयार करने के अतिरिक्त स्वच्छता अभियान को घरेलू स्तर पर अंतर वैयक्तिक संप्रेषण के व्यापक उपयोग पर बल देना चाहिए। योजना का आधार प्रत्येक परिवार तक पहुँचना चाहिए। स्वच्छता मेला/रेली आयोजित करके

छात्रों द्वारा स्थानीय भाषा के बैनर/चित्र सहित पद यात्रा/दौड़ के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर के समुदाय में परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए।

इस प्रयास को सफल बनाने के लिए यह जरूरी है कि संभावित हिस्सेदारों को व्यापक स्तर पर इससे जोड़ा जाए। इनमें निम्न शामिल हो सकते हैं:

- i. आईईसी परामर्शदाता, स्वच्छता दूत, ब्लॉक तथा जिला समन्वयक और वीडब्ल्यूएससी सदस्य,
- ii. स्कूली छात्र,
- iii. आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एसएचजी समूह, स्कूली शिक्षक, चिकित्सक, पीआरआई, पटवारी और सभी विभागों के ग्राम स्तर के कार्यकर्ता,
- iv. दूरदर्शिता तथा स्वीकृति हेतु स्थानीय नेतागण और धार्मिक गुरु,
- v. एससी, बालकों के स्काउट, बालिका गाइड, नेहरू युवक केन्द्र की सेवाएँ,
- vi. विभिन्न स्तरों तक पहुँचने के लिए रोटेरी तथा लायन क्लब और अन्य ऐसे संगठन।
- vii. देश भर के ऐसे ही मान्यता वाले तथा प्रख्यात एनजीओ, सीएसओ, एसएचजी विशेष रूप से महिला एसएचजी,
- viii. राज्य स्वास्थ्य महिला और बाल कल्याण और स्कूली शिक्षा विभाग जैसे अन्य विभागों के अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं और यह अनुरोध कर सकते हैं कि वे स्वच्छता अभियान के दौरान अपने कार्मिकों की सेवाओं की छूट हैं।
- ix. बहुपक्षीय संगठन जैसे यूनीसेफ, डब्ल्यूएसपी जीएसएफ, डब्ल्यूएसएससीसी।
- x. सुलभ, वाटरऐड, प्लैन, अर्धर्यम, वाटर फॉर पीपल जैसी एजेन्सियाँ।
- xi. संचार प्रतिनिधि।
 - सभी राज्य अभियान के लिए व्यापक दैनिक योजना तैयार करें जिसमें चलाई जाने वाली गतिविधियों का ब्यौरा हो। दिनांक 2 अक्टूबर, 2014 को ग्राम पंचायत में स्वच्छता पर बल देते हुए एक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाए।

एक संक्षिप्त “राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान मनाने के लिए सूचित कार्य योजना” संदर्भ हेतु संलग्न है। इसी प्रकार से राज्य कार्य योजना व्यापक रूप से तैयार की जाए।

किस प्रकार से "राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान" आयोजित किया जाए इस विषय पर विस्तृत आंकड़ा आधारित गतिविधि योजना (राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर) दिनांक 23 सितम्बर 2014 तक इस मंत्रालय से साझा किया जाए।

- एनबीए-आईईसी के अंतर्गत उपलब्ध निधियाँ स्वच्छता अभियान के लिए उपयोग की जाएं।
- सभी स्तरों पर उपयोग की जाने वाली विशिष्ट आईईसी सामग्रियों की आयोजना तथा तैयारी की जानी चाहिए। इसके लिए यूनीसेफ, डब्ल्यूएसपी, एनजीओ जैसे संगठन और किसी अन्य स्वच्छता सेवा संगठनों के साथ मंत्रालय से सहायता ली जानी चाहिए। कई राज्यों तथा संगठनों ने बेहतरीन गुणवत्ता की आईईसी सामग्री तैयार की है जिसे अन्य राज्यों के साथ बाँटा जा सकता है।

"समुदाय चालित संपूर्ण स्वच्छता" (सीएलटीएस) पर विशेषज्ञ की सहायता के साथ-साथ शौचालय की मांग को वास्तविक "प्रोत्साहन" देने की आवश्यकता है।

सादर,

भवदीय,

(नितिन गड़करी)

सभी मुख्य मंत्री नाम से।

Suggested Action Points for 'National Sanitation Campaign being held from 25.9.2014 to 23.10.2014

The following Points are to be considered as suggested action for the National Sanitation Awareness Week:

(A) Preparatory Meetings

1. One day State level meeting is to be held by or before 20/09/2014 involving all State and District level NBA officers, Coordinators, Consultants as a preparatory meeting for planning the entire campaign and detailing all possible activities. Requirement of coordination with various other Ministries/ Departments/ International Agencies/NGOs/ other organizations to be discussed in detail. It is suggested that the meeting be held at the level of Chief Secretary.

A detailed draft Sanitation Campaign Action Plan should be the outcome of this meeting (This may already have been held in many States).

2. A one day District level meeting headed by District Collectors to discuss the concept of the Campaign involving District Sanitation Departments, various Govt. Departments, other stakeholders and NGOs to coordinate plan and finalise the district level IEC activities. This should result in finalizing both concept plans at the district levels as well as GP level activities (by 22nd of September).

3. Once the Concept Plan is finalized, a one day State level Advocacy Workshop with all partners, detailing responsibilities of various Ministries/ NGOs/ International NGOs like UNICEF, WSP, Rotary and other partners informing them about the campaign to be held on (23rd September).

The various relevant Government departments are to be requested to permit/ allow the participation of services of their workers during the sanitation campaign (ASHA, Anganwadi workers, SHG groups, School Teachers, Youth clubs and PRIs).

4. Subsequently, by 24th September 2014, briefing/orientation workshop is to be organized for all participating workers at District and /or Block level to brief/inform them of the Messages to be disseminated on sanitation and the detailed activities to be carried out during the Sanitation Campaign.

(B) National Sanitation Campaign (25.9.2014 to 23.10.2014)

(I) State level Curtain Raiser (Eve of awareness Campaign)

1. Advertisements in Important newspapers in advance especially in local languages regarding 'National Sanitation Campaign'.
2. Sanitation clips/ shows in state TV and Radio channels in local language (some spots and clips are available on MDWS Website ([go to mdws.nic.in/ miscellaneous section/](http://go.to/mdws.nic.in/miscellaneous) and click on Audio/Video section to access sanitation audio and video spots)
3. Hoardings/ posters / bill boards across the state highlighting Sanitation messages during the Campaign.

States which have already made designs of sanitation messages are requested to assist other States by sending soft copies of the same to the Director Sanitation at sujoy.m@nic.in by 25.9.2014.

(II) State Level Activities

1. Inauguration of the National Sanitation Campaign on 25th September 2014.
2. Awareness advertisements on sanitation in TV and Radio networks at the state level. Continue broadcast of TV spots/ Radio programmes throughout the campaign.
3. Use of Bulk voice SMS through the week highlighting sanitation messages.
4. Setting up hoardings/ posters in state district capitals/ campaigns on bus panels etc.
5. Running sponsored articles/ issues highlighting sanitation in newspapers.
6. Organising Week long Elocution contests/ Declamation contests/ painting contest on subjects like cleanliness of Villages, safe sanitation practices, hand washing, safe storage of water, solid and liquid waste management practices, Sanitation and health etc at schools and give prizes for the same.
7. Participation of involving State Chief Minister, Ministers and other dignitaries appropriately may be considered during the campaign.

(III) District Level Activities

1. Inauguration of the Sanitation Campaign at the district level, at District HQ by organizing a Rally at the district headquarters with participation of Elected Representatives, District Officials, Officers of various departments, School Children, NGOs, CSOs, Media etc.
2. Sanitation Messages on hoardings at District and Block levels, at Bus stands, Railway stations, Schools, important traffic junctions, Hospitals, Panchayat offices.
3. Messages on local cable TV channels, slide show in theaters.
4. Organise Nukad nataks around Bus stations, Market Places.
5. District level Elocution/ Painting contests for Schools and Colleges.

(IV) Block Level Activities

1. In addition to the district level activities, a AV van with sanitation messages show audio visual messages and having models of toilets etc., may be arranged to pass through all GPs in the Blocks.

(V) GP level activities

1. Organisation of a meeting on the Inaugural day of the Sanitation Campaign on 25/9/2014, and on Gandhi Jayanthi day, and on last day of the Campaign at the GP / Gram Sabha involving participation by all stakeholders including political leaders/ religious leaders, PRI members, School children, Village level Government workers. Formal inauguration of the Sanitation Campaign on 25th September with Skits/ Nukkad nataks / jatras/school children rallies/runs/walks (carrying sanitation message) and actual cleaning up the village through local volunteers and grass root workers also involving students to be repeated every 2-3 days to ensure a completely clean village.

2. Organization of Gram Padyatra, across each village, to identify and highlight locations of open defecation, garbage heaps, stagnant water etc. These can be mapped to create a Village map and displayed in village meetings; in the GP and Schools etc and used as a IEC tool to bring about disgust and generate awareness. This can be used to trigger action and demand for toilets.
3. **A intensive door to door campaign with the help of flip charts/ pamphlets to be undertaken to cover all households to be organized with Govt. Employees of various Deptts./Swachhata Doots/ Water supply operators/ ASHAS/ ANM workers/Anganwadi workers/ SHG groups/NGOs/School Children/others to be actively involved.**

During the campaign, to organise at least one large colorful rally going through the entire GP with posters/ playcards highlighting sanitation issues like construction and use of toilets, hand washing, safe storage of water, solid and liquid waste management practices, sanitation and health etc

4. **Organize a Sanitation Mela at the GP level for at least one /two days, involving local SHGs, NGOs, Schools etc.** consisting of posters/ toilet models/ interaction with Masons/ highlighting Govt. schemes in sanitation/ sanitation related puppet shows etc. (The Mela should also have a booth for counseling and giving sanitation related information)
(On the spot sanction of applications for toilets may also be arranged)
5. Organise competitions at local schools in the GPs on topics related to sanitation like construction and use of toilets, Hand washing, safe storage of water, Solid and Liquid Waste Management practices, Sanitation and health etc. Provisions for giving prizes may also be made.
6. Deck up the GP office and Primary Health Centre with posters/ festoons and hoardings highlighting the sanitation campaign and safe sanitation practices. (organise counselling facilities at the Primary Health Centre and GP office during the entire duration). Put up wall paintings at important buildings in the GP like Schools, Hospitals, Primary Health Centers, GP offices, highlighting safe sanitation practices.
7. Enable involvement of religious leaders from local temples / mosques/churches etc. to announce Sanitation messages during the entire campaign (sensitization of local Religious Leaders on sanitation issues may be done before the activity)
8. Document the proceedings at the GP through photographs and video recordings.
